PHARMACY INDIA

Community Pharmacy and Management

Important long Question

Year-2024

D.Pharm 2nd year

Various Components of Good Pharmacy Practice (GPP) in Community Pharmacy
सामुदायिक फार्मेसी में गुड फार्मेसी प्रैक्टिस (GPP) के विभिन्न घटक

Good Pharmacy Practice (GPP) means providing pharmacy services in a professional, safe and patient-oriented manner to ensure the effective and rational use of medicines.

गुड फार्मेसी प्रैक्टिस (GPP) का अर्थ है रोगी को सुरक्षित, प्रभावी एवं गुणवतापूर्ण फार्मेसी सेवाएं प्रदान करना तथा दवाओं का उचित एवं तर्कसंगत उपयोग सुनिशिश्चत करना।

1. Proper Pharmacy Premises / उचित फार्मेसी परिसर

The pharmacy should be clean, hygienic, well-lighted and properly organized. Adequate space should be available for storage, dispensing and patient counselling.

फार्मेसी स्वच्छ, हवादार, पर्याप्त प्रकाशयुक्त एवं व्यवस्थित होनी चाहिए। दवाओं के भंडारण, वितरण तथा रोगी परामर्श के लिए पर्याप्त स्थान होना चाहिए।

2. Qualified Pharmacy Personnel / योग्य फार्मेसी कर्मचारी

Medicines should be dispensed under the supervision of a registered pharmacist. The pharmacist should maintain professional knowledge and skills.

दवाओं का वितरण पंजीकृत फार्मासिस्ट की देखरेख में होना चाहिए। फार्मासिस्ट को अपने व्यावसायिक ज्ञान एवं कौशल को अद्यतन रखना चाहिए।

3. Procurement and Storage of Medicines / दवाओं की खरीद एवं भंडारण

Medicines should be purchased from authorized sources and stored under suitable conditions of temperature, humidity and light. Expired or damaged medicines should be separated.

दवाएं अधिकृत स्रोतों से खरीदी जानी चाहिए तथा उचित तापमान, आर्द्रता एवं प्रकाश की स्थिति में संग्रहित करनी चाहिए। एक्सपायर्ड या खराब दवाओं को अलग रखना चाहिए।

4. Prescription Screening / प्रिस्क्रिप्शन की जाँच

The pharmacist should check the prescription for correct drug, dose, dosage form, frequency, duration, interactions and contraindications before dispensing.

दवा देने से पहले फार्मासिस्ट को प्रिस्क्रिप्शन में दवा, मात्रा, डोजेज फॉर्म, आवृत्ति, अवधि, इन इंटरेक्शन तथा contraindications की जाँच करनी चाहिए।

5. Accurate Dispensing / सही औषधि वितरण

The correct medicine should be supplied in the right dose, strength and quantity with proper labelling and packaging.

रोगी को सही दवा उचित मात्रा, शक्ति और संख्या में उचित लेबल तथा पैकिंग के साथ दी जानी चाहिए।

6. Patient Counselling / रोगी परामर्श

The pharmacist should explain the dose, route, frequency, duration, possible side effects, precautions and storage conditions of medicines.

फार्मासिस्ट को रोगी को दवा की मात्रा, देने का तरीका, आवृत्ति, अवधि, संभावित दुष्प्रभाव, सावधानियाँ एवं भंडारण विधि समझानी चाहिए।

PHARMACY INDIA

Importance of Software Used in Community Pharmacy Practice
सामुदायिक फार्मेसी प्रैक्टिस में उपयोग होने वाले सॉफ्टवेयर का महत्व

Pharmacy Software / फार्मेसी सॉफ्टवेयर

Pharmacy software is a computer-based system used to manage dispensing, billing, inventory, patient records and other pharmacy activities efficiently.

फार्मेसी सॉफ्टवेयर एक कंप्यूटर आधारित प्रणाली है जिसका उपयोग दवा वितरण, बिलिंग, स्टॉक, रोगी रिकॉर्ड तथा अन्य फार्मेसी कार्यो को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए किया जाता है।

1 Accurate Dispensing / सही औषधि वितरण

Software helps in selecting the correct medicine, strength, dosage form and quantity, thereby reducing dispensing errors.

सॉफ्टवेयर सही दवा, शक्ति, डोजेज फॉर्म एवं मात्रा चुनने में सहायता करत है, जिससे dispensing errors कम होते हैं।

2 Prescription Management / प्रिस्क्रिप्शन प्रबंधन

It helps in storing and maintaining electronic prescription records for future reference.

यह भविष्य में उपयोग के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रिस्क्रिप्शन रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने और व्यवस्थित करने में मदद करता है।

3 Inventory Control / स्टॉक नियंत्रण

Pharmacy software keeps records of stock received, stock sold and available stock.

फार्मेसी सॉफ्टवेयर प्राप्त स्टॉक, बिक्री किए गए स्टॉक तथा उपलब्ध स्टॉक का रिकॉर्ड रखता है।

4 Expiry Date Monitoring / एक्सपायरी तिथि की निगरानी

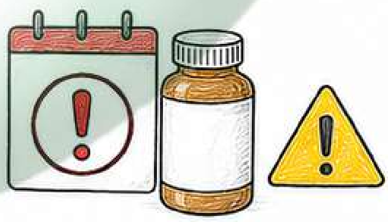

It provides alerts for medicines that are near expiry or already expired, helping to prevent accidental dispensing.

यह जल्द एक्सपायर होने वाली या एक्सपायर हो चुकी दवाओं की सूचना देता है, जिससे गलत दवा वितरण रोका जा सकता है।

Common Uses of Pharmacy Software / फार्मेसी सॉफ्टवेयर के सामान्य उपयोग

Pharmacy software is commonly used for dispensing, billing, inventory management, expiry monitoring, patient records, purchase management and report generation.

फार्मेसी सॉफ्टवेयर का उपयोग सामान्यतः दवा वितरण, बिलिंग, स्टॉक प्रबंधन, एक्सपायरी मॉनिटरिंग, रोगी रिकॉर्ड, खरीद प्रबंधन एवं रिपोर्ट तैयार करने में किया जाता है।

PHARMACY INDIA

Counselling Points for Tuberculosis (TB) Patients
क्षय रोग (टीबी) रोगियों के लिए परामर्श बिंदु

Patient Counselling / रोगी परामर्श

Counselling of a TB patient aims to ensure regular treatment, prevent transmission, recognize adverse effects and improve treatment success.

टीबी रोगी की काउंसलिंग का उद्देश्य नियमित उपचार सुनिश्चित करना, संक्रमण का प्रसार रोकना, दुष्प्रभाव पहचानना तथा उपचार की सफलता बढ़ाना है।

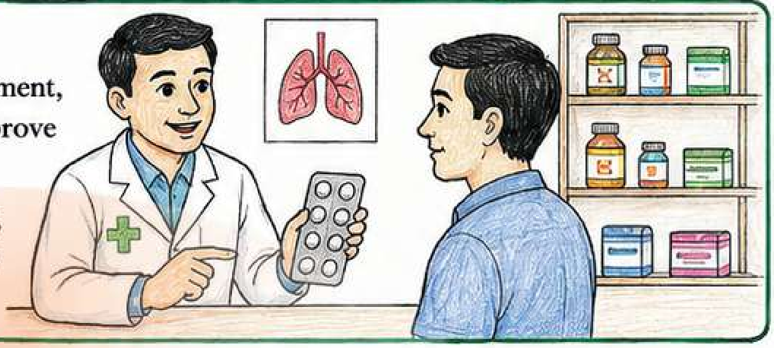

1. Take Medicines Regularly / दवाएँ नियमित रूप से लें

Take all anti-TB medicines exactly as prescribed and at the correct time.

सभी एंटी-टीबी दवाएँ डॉक्टर के निर्देशानुसार और सही समय पर नियमित रूप से लें।

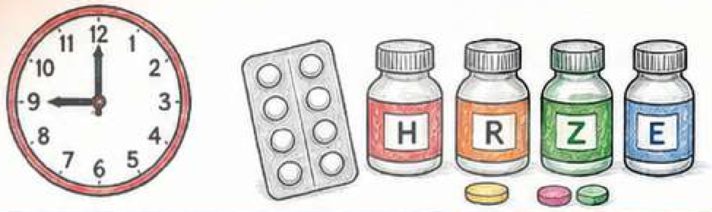

2. Complete the Full Course / पूरा उपचार कोर्स करें

Do not stop treatment even if symptoms improve. Incomplete treatment may cause relapse and drug-resistant TB.

लक्षण ठीक होने पर भी उपचार बंद न करें। अधूरा उपचार रोग दोबारा होने तथा Drug-Resistant TB का कारण बन सकता है।

3. Do Not Miss Doses / खुराक न छोड़ें

Missing doses reduces treatment effectiveness and may lead to resistance.

दवा की खुराक छोड़ने से उपचार का प्रभाव कम हो सकता है और दवा प्रतिरोध विकसित हो सकता है।

4. Follow Proper Method of Taking Medicines / दवा लेने की सही विधि अपनाएँ

Anti-TB medicines should be taken according to the instructions given by the doctor or pharmacist, preferably at the same time each day.

एंटी-टीबी दवाएँ डॉक्टर या फार्मासिस्ट के निर्देशानुसार, संभव हो तो प्रतिदिन एक ही समय पर लें।

5. Inform About Side Effects / दुष्प्रभावों की जानकारी रखें

Report symptoms such as persistent vomiting, severe abdominal pain, yellowing of eyes/skin, severe weakness or rash immediately.

लगातार उल्टी, तेज पेट दर्द, ऑखों/त्वचा का पीला होना, अत्यधिक कमजोरी या त्वचा पर चकत्ते होने पर तुरंत डॉक्टर को बताएँ।

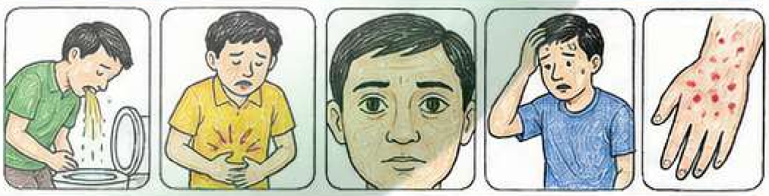

6. Rifampicin Counselling / रिफैम्पिसिन संबंधी परामर्श

Rifampicin may cause orange-red discoloration of urine, sweat and tears, which is usually harmless.

रिफैम्पिसिन से मूत्र, पसीना और ऑसू नारंगी-लाल रंग के हो सकते हैं, जो सामान्यतः हानिकारक नहीं होता।

7. Isoniazid Counselling / आइसोनियाज़िड संबंधी परामर्श

Isoniazid may cause tingling or numbness in hands and feet. Pyridoxine (Vitamin B6) may be prescribed when required.

आइसोनियाज़िड से हाथ-पैर में झनझनाहट या सुन्नपन हो सकता है। आवश्यकता होने पर Pyridoxine (Vitamin B6) दिया जा सकता है।

PHARMACY INDIA

Self-Medication – Advantages and Disadvantages
स्व-औषधि – लाभ एवं हानियाँ

Self-Medication / स्व-औषधि

Self-medication is the use of medicines by a person to treat self-recognized minor illnesses or symptoms without consulting a doctor. It may include the use of OTC medicines, previously prescribed medicines, or medicines suggested by family or friends.

स्व-औषधि (Self-medication) का अर्थ है बिना डॉक्टर की सलाह के स्वयं पहचाने गए छोटे रोगों या लक्षणों के उपचार के लिए दवा लेना। इसमें OTC दवाएँ, पहले से लिखी गई दवाएँ या परिवार/मित्रों द्वारा बताई गई दवाएँ शामिल हो सकती हैं।

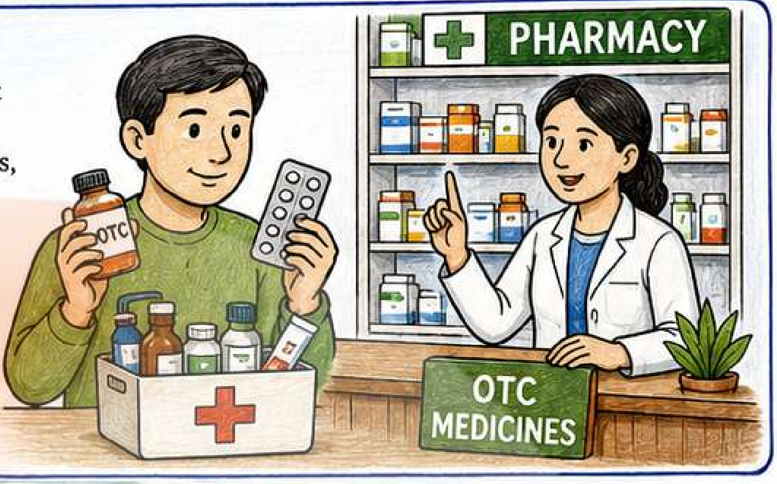

Advantages of Self-Medication / स्व-औषधि के लाभ

1. Quick Relief in Minor Illnesses / सामान्य रोगों में शीघ्र राहत

Self-medication can provide quick relief in minor conditions such as headache, common cold, acidity or mild fever.

स्व-औषधि से सिरदर्द, सामान्य सर्दी, एसिडिटी या हल्के बुखार जैसी छोटी समस्याओं में शीघ्र राहत मिल सकती है।

2. Saves Time / समय की बचत

It reduces the need for visiting a doctor for every minor health problem.

हर छोटी स्वास्थ्य समस्या के लिए डॉक्टर के पास जाने की आवश्यकता कम होती है और समय की बचत होती हैं।

3. Reduces Treatment Cost / उपचार खर्च कम करता है

It may reduce consultation and travel expenses in simple, self-limiting conditions.

सामान्य एवं स्वतः ठीक होने वाली समस्याओं में डॉक्टर की फीस और यात्रा खर्च कम हो सकता है।

4. Easy Accessibility / आसानी से उपलब्ध

Many OTC medicines are easily available at community pharmacies.

कई OTC दवाएँ सामुदायिक फार्मेसी पर आसनी से उपलब्ध होती हैं

Disadvantages of Self-Medication / स्व-औषधि की हानियाँ

1. Wrong Diagnosis / गलत रोग पहचान

A person may misinterpret symptoms and treat the wrong condition.

रोगी लक्षणों को गलत समझकर गलत बीमारी का उपचार कर सकता है।

2. Wrong Drug or Dose / गलत दवा या मात्रा

Incorrect selection of medicine, dose, frequency or duration may cause treatment failure or harm.

गलत दवा, मात्रा, आवृत्ति या अवधि से उपचार असफल या हानिकारक हो सकता है।

3. Adverse Drug Reactions / औषधि प्रतिकूल प्रतिक्रियाएँ

Improper use of medicines may cause allergy, side effects or toxicity.

दवाओं के गलत उपयोग से एलर्जी, दुष्प्रभाव या विषाक्तता हो सकती हैं।

4. Drug Interactions / दवा परस्पर क्रिया

Self-medicated drugs may interact with other medicines already being taken by the patient.

स्वयं ली गई दवाएँ रोगी द्वारा पहले से ली जा रही दवाओं के साथ Drug Interaction कर सकती हैं।

PHARMACY INDIA

Socio-Economic Factors Affecting Medication Adherence

दवा पालन को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक कारक

Medication Adherence / दवा पालन

Medication adherence means the extent to which a patient takes medicines in the correct dose, at the correct time and for the prescribed duration.

Medication adherence का अर्थ है कि रोगी दवा को सही मात्रा, सही समय और निर्धारित अवधि तक डॉक्टर की सलाह के अनुसार लेता है।

1. Low Income / कम आय

Patients with low income may find it difficult to purchase medicines regularly, especially during long-term treatment.

कम आय वाले रोगियों के लिए विशेषकर लंबे उपचार में नियमित रूप से दवाएँ खरीदना कठिन हो सकता है।

2. High Cost of Medicines / दवाओं की अधिक कीमत

Expensive medicines may lead patients to skip doses, reduce doses or stop treatment.

महंगी दवाओं के कारण रोगी खुराक छोड़ सकता है, मात्रा कम कर सकता है या उपचार बंद कर सकता है।

3. Lack of Health Insurance / स्वास्थ्य बीमा की कमी

Patients without adequate health insurance may have to bear the full cost of medicines and treatment.

पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा न होने पर रोगी को दवाओं और उपचार का पूरा खर्च स्वयं उठाना पड़ सकता है।

4. Low Educational Level / कम शैक्षणिक स्तर

Poor education may reduce understanding of the disease, dosage schedule and importance of completing treatment.

कम शिक्षा के कारण रोगी रोग, दवा लेने की समय-सारणी और पूरा उपचार करने के महत्व को ठीक से नहीं समझ पाता।

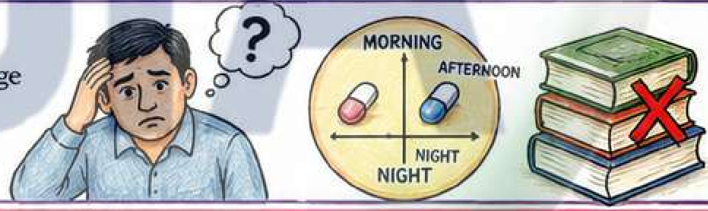

5. Unemployment / बेरोजगारी

Unemployment can reduce financial stability and make regular treatment difficult.

बेरोजगारी से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है, जिससे नियमित उपचार जारी रखना कठिन हो जाता है।

6. Poor Family Support / परिवार का कम सहयोग

Lack of support from family members may lead to forgetfulness, poor motivation and irregular medicine use.

परिवार का सहयोग न मिलने से दवा भूलना, प्रेरणा की कमी और अनियमित दवा सेवन हो सकता है।

7. Social Stigma / सामाजिक कलंक

Diseases such as TB, HIV/AIDS or mental illness may carry stigma, causing patients to hide their condition or avoid treatment.

टीबी, HIV/AIDS या मानसिक रोग जैसी बीमारियों से जुड़ा सामाजिक कलंक रोगी को बीमारी छिपाने या उपचार से बचने के लिए मजबूर कर सकता है।

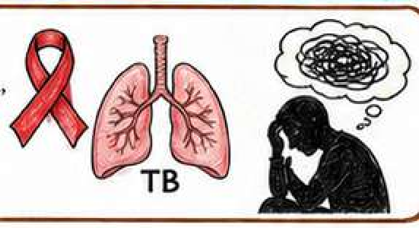

PHARMACY INDIA

Barriers in Effective Communication and Strategies to Overcome Them
प्रभावी संचार में बाधाएँ एवं उन्हें दूर करने की रणनीतियाँ

Effective Communication / प्रभावी संचार

Effective communication is the **clear and correct exchange of information** between two or more persons so that the message is properly understood.

प्रभावी संचार दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच **सूचना का स्पष्ट एवं सही आदान-प्रदान** है, जिसमें संदेश को सही प्रकार से समझा जाता है।

1 Physical Barriers / भौतिक बाधाएँ

Noise, poor lighting, long distance, overcrowding and lack of privacy may disturb communication.

शोर, कम प्रकाश, अधिक दूरी, भीड़ तथा गोपनीयता की कमी संचार में बाधा उत्पन्न कर सकती है।

Strategy / उपाय:

Provide a quiet, comfortable and private environment for communication.

संचार के लिए शांत, आरामदायक एवं निजी वातावरण उपलब्ध कराएँ।

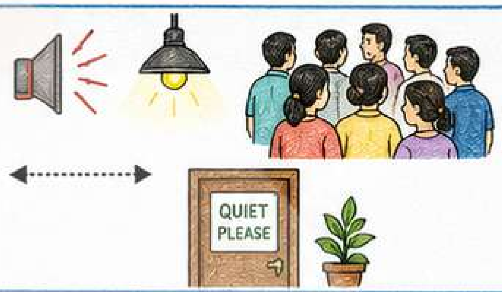

2 2. Language Barriers / भाषा संबंधी बाधाएँ

Different languages, difficult medical terms or unfamiliar words may cause misunderstanding.

अलग-अलग भाषाएँ, कठिन चिकित्सा शब्द या अपरिचित शब्द गलतफहमी पैदा कर सकते हैं।

Strategy / उपाय:

Use simple language, familiar words and local language whenever required.

आवश्यकतानुसार सरल भाषा, परिचित शब्द एवं स्थानीय भाषा का प्रयोग करें।

3 3. Psychological Barriers / मनोवैज्ञानिक बाधाएँ

Fear, anxiety, stress, anger or lack of confidence may reduce effective communication.

भय, चिंता, तनाव, क्रोध या आत्मविश्वास की कमी प्रभावी संचार को कम कर सकती हैं।

Strategy / उपाय:

Communicate with patience, empathy and a friendly attitude.

धैर्य, सहानुभूति एवं मैत्रीपूर्ण व्यवहार के साथ संवाद करें।

4 4. Cultural Barriers / सांस्कृतिक बाधाएँ

Differences in beliefs, customs, traditions and social practices may affect understanding.

विश्वास, रीति-रिवाज, परंपराएँ और सामाजिक व्यवहार में अंतर समझ को प्रभावित कर सकता है।

Strategy / उपाय:

Respect the patient's culture, beliefs and values and communicate without discrimination.

रोगी की संस्कृति, विश्वास एवं मूल्यों का सम्मान करें और बिना भेदभाव के संवाद करें।

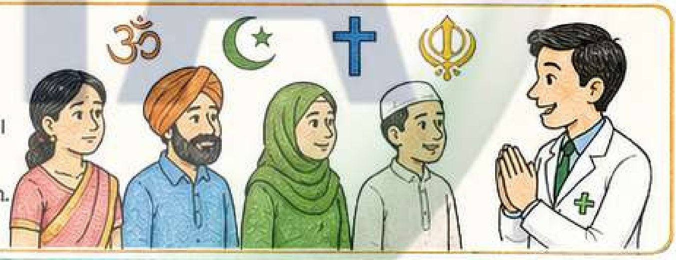

5 5. Semantic Barriers / शब्दार्थ संबंधी बाधाएँ

A word or statement may have different meanings for different people, leading to confusion.

एक ही शब्द या कथन का अलग-अलग व्यक्तियों के लिए अलग अर्थ हो सकता है, जिससे भ्रम उत्पन्न होता है।

Strategy / उपाय:

Use clear, specific and unambiguous words and avoid unnecessary technical terminology.

स्पष्ट, निश्चित एवं सरल शब्दों का उपयोग करें तथा अनावश्यक तकनीकी शब्दों से बचें।

6 6. Physiological Barriers / शारीरिक बाधाएँ

Hearing impairment, poor vision, speech difficulty or illness may interfere with communication.

सुनने में कमी, कमज़ोर दृष्टि, बोलने में कठिनाई या बीमारी संचार को प्रभावित कर सकती है।

Strategy / उपाय:

Use written instructions, visual aids, gestures or hearing support according to the patient's need.

रोगी की आवश्यकता के अनुसार लिखित निर्देश, चित्र, संकेत या सुनने में सहायक साधनों का प्रयोग करें।

PHARMACY INDIA

Causes of Dispensing Errors and Methods to Avoid Them
डिस्पेंसिंग त्रुटियों के कारण एवं उन्हें रोकने के उपाय

Dispensing Error / डिस्पेंसिंग त्रुटि

A dispensing error is a mistake that occurs while preparing or supplying a medicine to a patient, resulting in the wrong medicine, dose, strength, dosage form, quantity, label or instructions.

डिस्पेंसिंग त्रुटि वह गलती है जो रोगी to दवा तैयार करते या देते समय होती है, जिसस गलत दवा, मात्रा, शक्ति, डोज़ेज फॉर्म, संख्या, लेबल या निर्देश दिए जा सकते हैं।

Causes of Dispensing Errors / डिस्पेंसिंग त्रुटियों के कारण

1. Illegible Prescription / अस्पष्ट प्रिस्क्रिप्शन

Poor or unclear handwriting may lead to incorrect interpretation of the drug name, dose or directions.

खराब या अस्पष्ट लिखावट के कारण दवा का नाम, मात्रा या निर्देश गलत पढ़े जा सकते हैं।

2. Similar Drug Names / मिलते-जुलते दवा के नाम

Medicines with look-alike or sound-alike names may be confused during dispensing.

दिखने या सुनने में समान नाम वाली दवाओं के कारण गलत दवा दिए जाने की संभावना बढ़ जाती है।

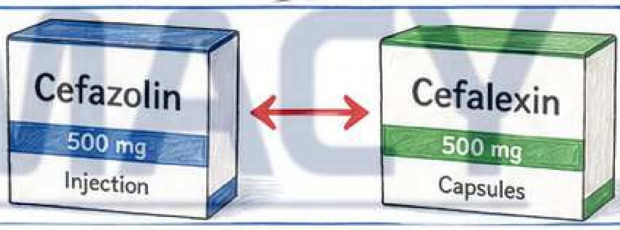

3. Similar Packaging / समान पैकेजिंग

Similar colour, shape or design of medicine packs may cause selection of the wrong product.

दवाओं की समान रंग, आकार या पैकिंग के कारण गलत उत्पाद चुना जा सकते हैं।

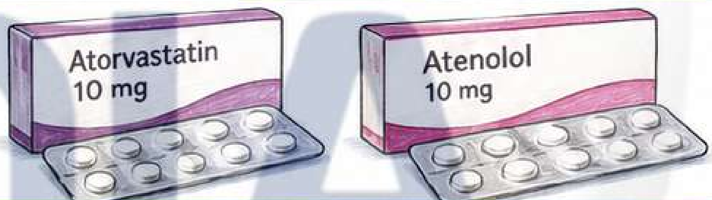

Methods to Avoid Dispensing Errors / डिस्पेंसिंग त्रुटियों से बचने के उपाय

1. Check the Prescription Carefully / प्रिस्क्रिप्शन की सावधानीपूर्वक जाँच

Check the patient name, drug, dose, strength, dosage form, frequency and duration before dispensing.

दवा देने से पहले रोगी का नाम, दवा, डोज़, शक्ति, डोज़ेज फॉर्म, आवृत्ति एवं अवधि की जॉच करें।

2. Clarify Doubtful Prescriptions / संदिग्ध प्रिस्क्रिप्शन की पुष्टि

If handwriting or instructions are unclear, confirm them with the prescriber before dispensing.

यदि लिखावट या निर्देश स्पष्ट न हों, तो दवा देने से पहले डॉक्टर से पुष्टि करें।

3. Double-Check Medicines / दवाओं की दोबारा जॉच

Verify the drug name, strength, dosage form and quantity at least twice before handing it to the patient.

रोगी को दवा देने स पहले दवा का नाम, शक्ति, डोज़ेज फॉर्म तथा मात्रा कम से कम दो बार जॉचें।

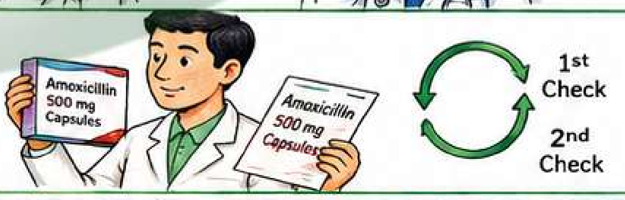

4. Separate Look-Alike and Sound-Alike Drugs / समान नाम वाली दवाओं को अलग रखें

LASA medicines should be stored separately and clearly labelled.

Look-Alike Sound-Alike (LASA) दवाओं को अलग रखना चाहिए और स्पष्ट लेबल लगाना चाहिए।

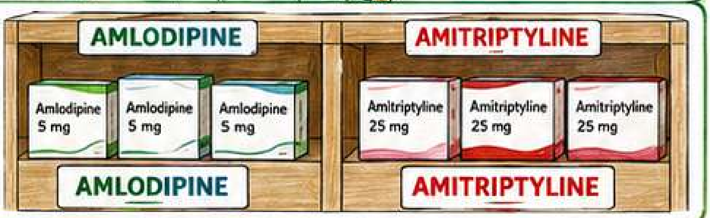

PHARMACY INDIA

COD AVAILABLE ON

Flipkart amazon meesho

Contact for any Query - 6395596959

GET IT ON Google Play

PHARMACY INDIA
www.pharmacyindia.co.in

PHARMACY INDIA
www.pharmacyindia.co.in

PHARMACY INDIA

PHARMACY INDIA

Join YouTube Channel

PHARMACY INDIA
LIVE

Pharmacy India Live

For Pharmacist Exam Preparations

SUBSCRIBE

Join WhatsApp & Telegram Channel

WhatsApp

Telegram

PHARMACY INDIA

Join Pharmacy India app

SCAN ME

PHARMACY INDIA